

अनागता वि. (तत्.) (स्त्री.) 1. नहीं आई हुई, अनुपस्थित, अप्रस्तुत 2. भावी, अनादि।

अनागतागत वि. (तत्.) वह आया हुआ व्यक्ति जो पहले कभी न आया हो, अपूर्व आगत, अपूर्व घटित।

अनागम पुं. (तत्.) आगमन न होना, न आना; प्राप्त न होना।

अनागम्य वि. (तत्.) 1. अगम्य, दुर्गम 2. अप्राप्य।

अनागर पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो नागर न हो, जो व्यक्ति बाहर का हो 2. जो नागरिक न हो 3. अशिष्ट व्यक्ति, असंस्कृत 4. अनिपुण, अचतुर। 5. जो नागर (ब्राह्मणों की एक उपजाति) न हो। नागर ब्राह्मण से भिन्न।

अनागामी वि. (तत्.) 1. न आने वाला, न लौटने वाला। 2. जिसका भविष्य उज्ज्वल न हो।

अनागार वि. (तत्.) जिसका घर-द्वार न हो, साधु-संन्यासी।

अनाघात पुं. (तत्.) 1. आघात न होना, आघात का अभाव 2. संगी. लयकारी का एक प्रकार, एक ताल 3. भाषा. जिस पर बलाघात न हो।

अनाघात वि. (तत्.) जिसे सूँघा न गया हो, अनसूँघा।

अनाचरण पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य का प्रवर्तन न करना, करने योग्य कार्य न करना 2. अनाचार।

अनाचार पुं. (तत्.) 1. बुरा आचरण 2. कुरीति, कुव्यवहार 3. नीतिविरुद्ध आचरण, अपराध।

अनाचारिता स्त्री. (तत्.) 1. दुराचारिता, निंदित आचरण 2. दुष्टता, कुचाल।

अनाचारी वि. (तत्.) आचारहीन, भ्रष्ट, पतित, कुचाली।

अनाच्छादन पुं. (तत्.) शा.अर्थ. उघड़ना, उघाड़ना, नंगा होना भूवि. अपरदन का संपूर्ण प्रक्रम जिससे भूपृष्ठ की असमतारें व अनियमितताएँ कट-छँट कर समतलता की ओर अग्रसर होती हैं denundation

अनाज पुं. (तत्.) अन्न, गल्ला, धान्य।

अनाजी वि. (तत्.) जो अनाज से बनाया गया हो या जिस में अनाज का अंश हो, अनाज से संबंधित।

अनाजप्त वि. (तत्.) 1. जिसे आज्ञा, स्वीकृति न दी गई हो (व्यक्ति) 2. जिसके लिए अनुमति न दी गई हो (कार्य) 3. अनादेशित, अननुमित। 4. जिसकी सूचना न दी गई हो।

अनाज्ञाकारिता स्त्री. (तत्.) 1. आज्ञाकारी न होने का भाव, आज्ञापालन न करना 2. आदेश का उल्लंघन।

अनाज्ञाकारी वि. (तत्.) जो आज्ञा न माने, जो आदेश पर न चले।

अनाड़ी वि. (तत्.) 1. नामसझ, नादान 2. अनजान 3. जो निपुण न हो, अकुशल।

अनातप पुं. (तत्.) 1. छाया 2. शीतलता, ठंडापन, धूप का अभाव वि. धूपरहित, जो गरम न हो, शीतल।

अनातुर वि. (तत्.) 1. जो आतुर न हो 2. उदासीन 3. धीर, अविचलित 4. स्वस्थ।

अनात्म वि. (तत्.) ('अनात्मन' का समासगत पूर्वपद) आत्मारहित, जड़ पुं. (तत्.) 1. आत्मा का विरोधी 2. पदार्थ, पंचभूत।

अनात्मक वि. (तत्.) 1. जिसका संबंध आत्मा से न हो 2. जिसका संबंध अपने से न हो 3. क्षणिक/नाशवान 4. जो यथार्थ न हो, अयथार्थ 5. सांसारिक, भौतिक।

अनात्मज्ञ वि. (तत्.) 1. जिसे आत्मा का ज्ञान न हो। आत्मज्ञान शून्य 2. अज्ञानी 3. आत्मा और परमात्मा के स्वरूप को न जानने वाला।

अनात्मदर्शी वि. (तत्.) जो आत्मदर्शी न हो, आध्यात्मिक दृष्टि से रहित, आत्मा-परमात्मा आदि के ज्ञान की प्राप्ति की उपेक्षा करने वाला।

अनात्मधर्म पुं. (तत्.) शारीरिक धर्म और कार्य, आत्मा को इतर भिन्न-भिन्न-धर्म कार्य, जो आत्मा से संबंधित नहीं हैं।